# श्री दिगम्बर जैन महासमिति

श्री दिगम्बर जैन समाज की संसद

## पत्रिका

### श्री दिगम्बर जैन महासमिति का लक्ष्य - संगठित समाज



श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों के वितरण हेतु पत्रिका

# श्री दिगम्बर जैन महासमिति की सदस्यता शुल्क का विवरण

| श्रेणी (CATEGORY) | धनराशि (AMOUNT) | (अवधि PERIOD) |
|---|---|---|
| विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक | 100000.00 | आजीवन |
| शिरोमणि संरक्षक | 51000.00 | आजीवन |
| संरक्षक | 11000.00 | आजीवन |
| विशिष्ट सदस्य | 5100.00 | आजीवन |
| सहयोगी सदस्य | 3100.00 | आजीवन |
| सम्मानीय सदस्य | 1100.00 | आजीवन |
| साधारण सदस्य | 500.00 | (पाँच वर्ष हेतु) |

## आवश्यक सूचना

1. पत्रिका शुल्क सदस्यों के लिए 500/– रू वार्षिक देय होगा।
2. सदस्यता पहचान पत्र शुल्क अतिरिक्त 100/– रू देय होगा।
3. अधिक जानकारी एवं सदस्यता फार्म के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं।

**नवीन सोगानी**
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

E-2 पहली मंजिल, जवाहर पार्क
हीरा स्वीट्स के पीछे विकास मार्ग
लक्ष्मीनगर, शकरपुर दिल्ली-110092
मो. 9990358901, 9810358901

## सदस्यता शुल्क एवं सहयोग के लिए
## बैंक खाते का विवरण

**Bank Account Detail of** : **Shree Digamber Jain Mahasamiti**

**Account No** : **10170001973962**

**Branch** : Bandhan Bank, Greater Kailash, Delhi-110048

**IFSC Code** : BDBL0001727

वर्ष 8 - अंक 1-2

अप्रैल-मई 2026

Title Code : DELBIL11586

# श्री दिगम्बर जैन महासमिति

सामाजिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय चेतना की संदेशवाहक एक मात्र मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ मणीन्द्र जैन
9810043108

राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष
श्रीमती शीला डोडिया

राष्ट्रीय संयोजक
डॉ. रिचा जैन
मो. 9822221951

राष्ट्रीय महामंत्री
प्रवीन कुमार जैन (लोनी)
मो. 9811227718, 9711227718

राष्ट्रीय महिला महामंत्री
इन्दु जैन गांधी

प्रधान सम्पादक
धरणेन्द्र कुमार जैन
मो. 8826578600, 9999495706
ईमेल : dkjdhir@gmail.com

महिला सम्पादक
ममता गंगवाल, धार (म.प्र.)
मो. 9406669696

संपादक (विदेश)
कुँवर पाल शाह U.S.A.

स्वत्वाधिकारी व प्रकाशक
डॉ. मणीन्द्र जैन

**मुख्य कार्यालय**
Shree Digamber Jain Mahasamiti
70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com

मुद्रक : सेवाभारती प्रिंटिंग प्रेस
हाथरस-204101
मो. 8791580090

## विषय सूची — पृष्ठ संख्या

1 सम्पादकीय..... 2
2 शान्ति एवं अध्यात्म..... 4
3 मध्यांचल अधिवेशन..... 6
4 जीव दया दिवस..... 8
5 जो समाज..... 9
6 ममता गंगवाल..... 11
7 आंचल अधिवेशन..... 12
8 हर्ष पूर्ण समाचार..... 14
9 पदमश्री गायक रविन्द्र जैन... 15
10 श्री दिगम्बर जैन महिला..... 16
11 श्री दिगम्बर जैन महासमिति.. 17
12 महिला महासमिति..... 20

लेखक के विचारों से सम्पादक या इसकी प्रकाशन संस्था श्री दिगम्बर जैन महासमिति का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सम्पादकीय

# कुष्ठ रोग की तरह 'मृत्युभोज' रूपी कुप्रथा को जड़ से समाप्त करना है।



सद्कार्यों का अनुसरण करने को प्रथा कहते हैं, जबकि हम अंध विश्वास का अनुसरण करते हैं तो वह कुप्रथा कहलाती है। समाज में अनेक कुप्रथाएं चल रहीं हैं जिनके जाल में फंसकर आम आदमी अमूल्य समय एवं धन की बर्बादी करने पर मजबूर होता है ऐसी ही एक कुप्रथा मृत्युभोज है। जिसने विकराल रूप धारण कर लिया है परिवार के सदस्य के स्वर्गवास पर तेरहवें दिन गृह शुद्धि के लिए होने वाले भोज को मृत्युभोज कहते हैं। जिस परिवार में प्रियजन का स्वर्गवास या विछोह (विछड़ना) हुआ है, उसकी आत्म–शन्ति के नाम पर होने वाले भोज में हम पकवान खाकर क्या उसकी आत्मा की शांति की कामना करते हैं? यह भी विचारणीय प्रश्न है कि परिवार में हुई मृत्यु पर मृत्युभोज का आयोजन परिजन मन से करते हैं? दिगम्बर जैन आचार्य विद्यासागर जी महाराज की शिष्या आर्यिका रत्न पूर्णमती माता जी ने अपने चातुर्मास के दौरान राघौगढ़ में मृत्युभोज पर प्रवचन में कहा था कि परिवार में किसी की भी मृत्यु के उपरांत सूतक–पातक–विधि का विधान धर्म ग्रंथों में है। मृत्यु उपरांत तीन दिन का सूतक रहता है, उस समय भगवान के दर्शन करने नहीं जाते, कारोबार बंद रहता है, यहां तक कि परिवार में तीन दिन तक चूल्हा भी नहीं जलता है। तीन दिन तक पड़ोसी, मित्र या रिश्तेदारों के यहां से भोजन का इंतजाम किया जाता है। तीसरे दिन उठावना होता है, उसक बाद भगवान के दर्शन करने हेतु समाज जन के साथ पीड़ित परिवार जाता है। मंदिर में चंदन का तिलक लगाया जाता है। तथा चरणामृत (पाद प्रक्षाल) दिया जाता है। तेरह दिन तक सूतक रहने एवं परिवार जन को मृतक की याद न आये इसलिए परिजन तेरह दिन तक साथ रहते हैं। आर्यिकाश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि एक ओर परिवार में शोक रहने के कारण चूल्हा नहीं जलता दूसरी ओर तेरहवें दिन होने वाले मृत्युभोज में पकवान बनने लगे। आपने प्रवचन में कहा कि तेरहवें दिन गृह शुद्धि होने पर परिजन रिश्तेदार एकत्रित होते हैं, इतने लोगों की रोटी बनना कठिन कार्य था इसलिए यह व्यवस्था समाज ने दी कि पूड़ी–सब्जी बनाकर गृह शुद्धि की जाने लगी। धीरे–धीरे इस कुप्रथा ने विकराल रूप धारण कर लिया पकवान बनने लगे। वह भी एक नहीं अनेक। मृत्युभोज में पूरे नगर एवं आस–पास के गांव वालों में भोजन नहीं करने की प्रतिज्ञा दिलवाई। राजस्थान के एक नगर में प्रतिष्ठित परिवार में मृत्युभोज का आयोजन जोर–शोर से किया गया। पांच मिठाई बनवाई गई। भोजन उपरांत दांतों से अन्न कण निकालने हेतु पत्तल में एक सींक परोसी गई।

उसी नगर में उनके ही समकक्ष परिवार में शोक उपरांत मृत्युभोज का आयोजन किया। उन्होंने सात मिठाई बनवाई पत्तल से सींक के स्थान पर एक डण्डा परोसा गया। एक और घटना मृत्युभोज से सम्बन्धित है कि भोज के लिए मिठाई जिस कमरे में रखी गई थी उस कमरे में कुत्ता घुस गया। भोज चल रहा था। परिवार के सबसे बड़े सदस्य ने कमरे में पहुंचकर कुत्ते पर बड़ी बांस की डलिया डालकर बंद कर दिया और उस डलिया पर बैठा रहा जब तक भोज पूरा नहीं हुआ। उस परिवार में मृत्युभोज के साथ एक और कुप्रथा यह जुड़ गई कि जब भी उस परिवार में मत्यु भोज होगा परिवारीजन कुत्ता पकड़कर लाते और परिवार का वरिष्ठ सदस्य डलिया कुत्ते के ऊपर डालकर बैठता। मृत्युभोज तो एक कुप्रथा है उसके साथ अनेक और कुप्रथाएं और जुड गई हैं जिनको सुनकर हमारा सिर शर्म से झुक जाता है। जिसकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है उसे कर्ज लेकर मृत्युभोज जोर–शोर से आयोजित करने को मजबूर किया जाता है। उससे कहा जाता है कि जब तक मृत्युभोज नहीं होगा मृत आत्मा को शांति नहीं मिलेगी। जिसके परिवार में प्रियजन का बिछोह हुआ है उसी से भोज का आयोजन कराया जाता है। भोज में पकवान खाने से मृत आत्मा को शांति मिलेगी यह कहां का समाजिक न्याय है? यहां तक मेरी जानकारी है किसी भी धर्म ग्रंथ में मृत्यु एवं कन्या भोज का उल्लेख नहीं है। कुछ ग्रंथ में ब्राह्मण भोज एवं कन्या भोज का उल्लेख मिलता है। गुना जिले के एक कस्बे में मृत्युभोज पर समस्त नगर वासियों को सपरिवार आमंत्रित किया जाता है। यह परस्पर उचित नहीं है उसका निषेध व विरोध किया जाना परम आवश्यक है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री श्री दिग्विजय सिंह जी ने अपनी धर्मपत्नि श्रीमती आशा सिंह के स्वर्गवास के उपरांत मृत्युभोज का आयोजन नहीं किया। आपने उस समय कहा कि मेरी धर्मपत्नि जैन धर्म से प्रभावित थी। इस कारण मैं मृत्युभोज आयोजित नहीं कर रहा हूं। वह मृत्युभोज को बंद कराने धर्माचार्यों से चर्चा करेंगे तथा सर्वमान्य तरीका निकालने का प्रयास करेंगे। समाज में कुष्ठरोग की तरह मृत्युभोज रूपी कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने के लिए सभी वर्गों को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

**- धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली**

लोक में वीतराग को छोड़कर दूसरा कोई देव, ब्रह्मचर्य को छोड़कर दूसरा कोई तप, अभयदान को छोड़कर दूसरा कोई दान और मुनिराज को छोड़कर दूसरा कोई पवित्र प्राणी नहीं है। भक्त, विपदा में भी प्रेम, विनम्रता और प्रभु का विश्वास नहीं छोड़ता।

# शान्ति एवं आध्यात्म



परिवर्तन संसार का नियम है। जैसे दिन के बाद रात, वैसे ही एक युग के बाद दूसरा युग आता है। इसी परिवर्तन में परमात्मा के आगमन एवं नई दुनियाँ की स्थापना का कार्य भी सम्मिलित है। वर्तमान समय में बदलता परिवेश, गिरती मानवता, मूल्यों का पतन, प्राकृतिक आपदाय, पर्यावरण बदलाव, हिसंक होती मानवीय चेतना, आतंकवाद सभी घटनाऐं बदलाव का संकेत हैं। आज पूरा विश्व बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। ऐसे में परमात्मा की अनुभूति कर जीवन में मानवीय मूल्यों को धारण कर नई दुनियाँ, नये परिवेश के निर्माण में भागीदारी निभाना चाहिए। वर्तमान में हमें सुख–सुविधा सम्पन्न युग में रह रहे हैं। सब कुछ इंसान की मुट्ठी में है, लेकिन मन की शान्ति का अभाव है। हमारे अंदर का अमन चैन कहाँ खो गया है, वो अन्तर्मन का प्यार, विश्वास और शान्ति हमें चाह कर भी नहीं मिल सकती है। चाह तो हर व्यक्ति की है । हमें दो पल की शान्ति की अनुभूति हो लेकिन अफसोस कि अन्दर खोखलापन ही है। शान्ति एवं आध्यात्म को खोज वह शान्ति जिसके लिए हमने मंदिर, मसजिद, गुरूद्वारा, गिरजाघर की दौड़ लगाई है, फिर भी निराशा ही मिली। इसका कारण है कि हम शान्ति के सागर परमपिता शिव के मूल चक्र हैं, जिसके स्मरण से असीम शान्ति मिलती है। यह शान्ति केवल परमात्मा के सच्चे ज्ञान से ही मिल सकती है। यदि हम उस परमात्मा को नहीं जानगें तो कैसे शान्ति प्राप्त होगी, कैसे हमारी जीवन नैया पार लगेगी। इस संसार से हम आत्माओं को कौन ले जायेगा यह जान पाने के लिए परमात्मा को जानना आवश्यक है। कर्म–इस दुनियाँ का निर्माण ईश्वर करता है, जब व्यक्ति अपने कर्मों में निरन्तर तक पहुँच जाता है, तब मनुष्य के रूप में होते हुए भी उसके हाव–भाव, कम, सोच सब मनुष्यता के विपरीत हो जाते हैं, एवं दुनियाँ में सवश्रेष्ठ प्राणी होते हुए भी ऐसे कर्मो को अंजाम देता है, जिसे सिर्फ असुर ही करते हैं। हमारे शास्त्रों में गलत काम कर पश्चाताप की भी बात की गई है, लेकिन हमारे कर्म उससे भी अधिक निम्न स्तर के हो गये हैं। देश और दुनियाँ में जो भक्तिभाव का भाव बढ़ा है, उसमें तम को प्रधानता है। मानव पाप करते–करते इतना बोझिल हो गया है कि मंदिर, मसजिद में अपने पाप धोने या स्वार्थो की पूर्ति के लिए ही जाता है। इन धार्मिक स्थलों पर मानव अपने लिए जीवनमुक्ति या मुक्ति का आशीर्वाद नहीं मानता है, बल्कि अनेक प्रकार की मन्नत मांगता है। सम्बन्धों को निम्न स्तरता इतनी गहरी एवं दूषित हो गयी है कि बाप–बेटा, पिता–पुत्र भाई–बहन, माँ–बेटे के सम्बन्धों में निम्नतम स्तर की घटनाएँ प्रायः देखने को सुनने को मिलती है। निष्कर्ष अतः ये सब बात विचारणीय है, अतः आज समय बदलाव के कगार पर खड़ा है। इन सबका परिवर्तन केवल परमात्मा ही कर सकते हैं, जब भौतिक दुनियाँ में इंसान चारों ओर से दुःखी और अशांत हो जाता है। तब वह सच्चे दिल से परमात्मा को याद करता है कि वह उसे सही दिल से मार्ग प्रशस्त करे।

**- डॉ. मणीन्द्र जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष**



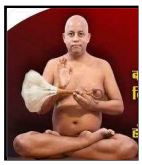
Convenor- Dr. Manindra jain
National President

# श्री दिगम्बर जैन महासमिति द्वारा आयोजित

## भगवान महावीर जयन्ती (जन्म कल्याणक) कार्यक्रम

### दिनांक 31.03.2026, 2:00 PM to 3:30 PM

**जिनवाणी चैनल Via Google Meet Link**



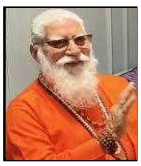
Ach. Sh. 108 Pragya Sagar



Ach. Naypadam Sagar Ji Maharaj
Founder (JIO & JITO)



Jagatguru Sh. Pramod Krishnan
Kalki Peethadheeshwar



Goswami Sushil Maharaj
Bhrigu Peethadheeshar



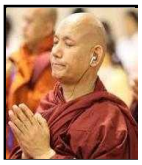
Dr. Lokesh Muni
Jain Monk



Acharya Sh. Balkrishna
MD (Patanjali !yurved)



Acharya Sh. Vivek Muni
F. Chairman (!ch. Sushil Muni Mission)



Sh. Bhikkhu Sanghasena
Buddhist Monk



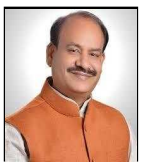
Dr. M. D. Thomas
Founder Director (IHPS)



Sh. Umer !hmed Iliyasi
Chief Imam (!ll India Imam Organizaton)



Sh. Paramjit Singh Chandok
Chief !dvisor (DSGC)



Hon. Sh. Om Birla
Speaker (Lok Sabha)



Sh. !jit Doval
NS!
(Message)



Hon. Sh. Bhagat Singh Koshyari
Ex. Governor (Maharashtra)



Hon. Sh. Arif Mohammad Khan
Ex. Governor (Bihar)



Hon. Sh. Gulab Chand Kataria
Governor (Punjab)



Hon. Sh. Kavinder Gupta
Governor (Himachal Pradesh)



Hon. Smt. Rekha Gupta
CM (Delhi)



Hon. Sh. Manoj Tiwari
MP (North-East Delhi)

## श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति मध्यांचल अधिवेशन उज्जैन में सम्पन्न

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति मध्यांचल का सत्र 2023–2025 का अधिवेशन उज्जैन में संपन्न हुआ । जिसमें पूरे मध्य प्रदेश से करीब आठ सौ महिलाओं की उपस्थिति दर्ज की गई । इस भव्य आयोजन में महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मणीन्द्र जी जैन , राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मध्यांचल संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी अजमेरा व राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रवीण जी जैन की उपस्थिति से आयोजन बहुत ही भव्य रूप में संपन्न हुआ । विशेष अतिथि के रूप में श्रीमती शीतल जी सुनीता जी बबीता जी कालवाड़िया, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती इंदु जी गांधी एवं श्रीमती स्नेहलता जी सोगानी उपस्थित रहीं । आयोजन का सफल संचालन उज्जैन संभाग की अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका जी विनायका एवं सचिव श्रीमती मेघना जी सोगानी ने किया । पहले चरण में मंगलाचरण नृत्य एवं स्वागत नृत्य उज्जैन संभाग की महिलाओं द्वारा प्रस्तुत किया गया । मंडप उद्घाटन श्रीमती निर्मला जी मनीषा जी जैन , चित्र अनावरण विनय जी डड्डा, दीप प्रज्वलन प्रसन्न जी बिलाला द्वारा किया गया । सुबह के सत्र में बैनर प्रेजेंटेशन के रूप में भव्य रैली का आयोजन हुआ जिसका उद्घाटन श्री महेंद्र सारिका जी गंगवाल द्वारा किया गया । अधिवेशन मे मुख्य ध्वजारोहण श्रीमति समता हितेश जी कासलीवाल ने किया । दूसरे चरण में अवार्ड समारोह के साथ ही मुंगावली की महिलाओं द्वारा नारी सशक्तिकरण पर एक शानदार प्रस्तुति दी गई । इस कार्यक्रम में पूरे मध्य प्रदेश से कई महिला पदाधिकारी मौजूद रहीं जिनमें विशेष रूप से मध्यांचल अध्यक्ष श्रीमती संगीता जी सोगानी, सचिव ममता जी गंगवाल , कोषाध्यक्ष पूजा जी सोगानी, महिला प्रकोष्ठ ज्योति जी गोधा , युवा प्रकोष्ठ प्रीति जी पाली , वीरबाला जी कासलीवाल, आशा जी झांझरी , नीता जी धवल , साधना जी बोहरा , स्नेहलता जी विनायका, नीलम जी पंड्या रचना जी भरिल्ल एवं अन्य कई महिलाएँ मौजूद रहीं। सम्पूर्ण कार्यक्रम का विशेष प्रसारण जिनवाणी चैनल पर भी किया गया ।

**पूजा सोगानी, उज्जैन**







## श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति मध्यांचल अधिवेशन उज्जैन के कार्यक्रम की झलकियां

















## 11 मई 2026 को "जीव दया दिवस'' मनाने के लिए एक अपील !



यह बताते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी देश–विदेश में 11 मई 2026 को 'जीव दया दिवस' के रूप में आप सभी के साथ मिलकर मनाया जायेगा। पिछले वर्ष लाखों भाई–बहिनों ने यह दिन उत्साह से मनाकर मूक प्राणियों के प्रति प्रेम, दया एवं करुणा का भाव रखकर अक्षय पुण्य कमाया था। यह दिन सभी जल–थल और नभ के मूक प्राणियों को ''जीव दया दिवस'' के रूप में समर्पित है। आओ हम सब मिलकर इस दिन किसी भी मूक प्राणी एवं जरूरतमंदों को अन्न दान कर भूखा न रहने दें।

संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं देश के सभी दयालु भाई–बहिनों से अनुरोध है कि वे अपनी–अपनी सुविधानुसार अपने–अपने घरों में पक्षियों को दाना–पानी, पशुओं जैसे– गाय, बकरी कुत्ता आदि को भरपेट भोजन खिलायें। कार्यक्रम के फोटोग्राफ्स भी व्हाट्सप्प नंबर **8826578600** एवं **7678560102** पर अवश्य प्रेषित कर दें, ताकि उनका प्रकाशन समाचार पत्रों व पत्रिकाओं में कराया जा सके।

श्री दिगंबर जैन महासमिति एवं महिला महासमिति के सभी सदस्यगण से निवेदन है कि जैसा हम लोगों ने भोपाल मीटिंग में तय किया था, पति अपनी पत्नी को पत्नी अपने पति को तथा 18 साल से बड़े बच्चों को चाहे वह लड़का हो या लड़की हो ,हम लोग महासमिति के मेंबर बनायेंगें। जिससे आने वाली पीढ़ी भी धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाएगी। सभी पदाधिकारी गण एवं सदस्य गण का नैतिक दायित्व है कि वह अपने समाज और संस्था के विकास हेतु समर्पित भाव से कार्य करें एवं अपना योगदान दें।अत: आपसे निवेदन है कि महासमिति के फार्म को पूरा भर करके ?500 प्रति मेंबर के हिसाब से महासमिति के दिल्ली कार्यालय को भेज कर सदस्यता ग्रहण करें । धन्यवाद सहित,

### जनगणना 2027 में जैन समाज का कर्तव्य

पहली बार हमें मौका मिला है कि हम स्व–गणना **(Self & Enumeration)** के माध्यम से अपनी सही जानकारी खुद दर्ज कर सकें। चरण 1 : पोर्टल पर जाकर 33 सवालों के जवाब दें और अपनी 'स्व–गणना आईडी' प्राप्त करें। चरण 2: जनगणना अधिकारी के घर आने पर इस आईडी को ऑथेंटिकेट **(Authenticate)** कराएं। याद रखें, बिना ऑथेंटिकेशन के ऑनलाइन एंट्री मान्य नहीं होगी!

अभी रजिस्टर करें: **se.census.gov.in**

फॉर्म भरने, **process** समझने या किसी भी जानकारी के लिए **Missed Call** या **WhatsApp** करें : **8826578600, 9810043108**

**डॉ. मणीन्द्र जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष**

## जो समाज अपने भीतर की आग नहीं बुझाता, वह बाहर की आँधियों से नहीं बच पाता।



कहाँ जा रहा है जैन समाज–दिखावे की चकाचौंध, टूटी संवेदनाएँ और बिखरती पहचान का कटु सत्य 'जैन समाज आज बाहर से जितना शांत और सुसंस्कृत दिखाई देता है, यथार्थ में भीतर से उतना ही तनावग्रस्त, बिखरा हुआ और दिशाहीन हो चुका है। यह स्थिति किसी एक घटना या एक पीढ़ी की देन नहीं, बल्कि वर्षों से जमा होती संवेदनहीनता, दिखावा, आडंबर, मौन और आंतरिक विघटन का परिणाम है। बाहर भव्यता है, भीतर खोखलापन। मंच जगमगा रहे हैं, लेकिन आत्मा अंधेरे में डूबी है। सच यही है–पूरा जैन समाज बारूद के ढेर पर बैठ चुका है, और हमें इसका एहसास तक नहीं है।सबसे बड़ी समस्या है कमजोर सधार्मिक की ओर से समाज का पूरी तरह मुंह फेर लेना। हमारे शास्त्र बार–बार "परस्परोपग्रहो जीवानां" की घोषणा करते हैं, लेकिन व्यवहार में आज समाज में सबसे अधिक अनदेखा वही है जो संघर्ष कर रहा है। किसी के घर में बीमारी हो, बेटा–बेटी की शादी अटकी हो, रोजगार छूट गया हो, कोई मानसिक रूप से दबा हो–इन समस्याओं के लिए समाज के पास न समय है न तंत्र। परंतु मंदिरों में करोड़ों के आयोजन, फूलों से सजी शोभा यात्राएँ, बड़े–बड़े मंचों की चकाचौंध–ये सब 'धर्म' कहलाते हुए भी वास्तविक धर्म की जड़ को खोखला कर रहे हैं। संवेदनहीनता अगर किसी समाज की पहचान बन जाए तो समझ लेना चाहिए कि विस्फोट बस समय की बात है अब बात समाज की उन समस्याओं की, जो अंदर ही अंदर हमें खोखला कर चुकी हैं–

(१) देर से विवाह और 'सही लड़का/लड़की' की अंधी खोज :

जैन समाज में लेट मैरिज आज एक सामाजिक महामारी बन चुकी है। माता–पिता की अवास्तविक अपेक्षाएँ, तुलना, अहंकार और दिखावे के कारण योग्य युवक–युवतियाँ 30–35 की उम्र पार कर रहे हैं। परिणाम–तनाव, अवसाद, एकाकीपन और टूटता सामाजिक ढांचा।

(२) जनसंख्या का खतरनाक रूप से गिरना :

एक बच्चा नीति, करियर का दबाव, और सामाजिक दिखावे की वजह से हमारी जनसंख्या तेजी से कम हो रही है। आने वाले दशकों में हमारी स्थिति अत्यंत कमजोर होने वाली है और हम अभी भी निश्चिंत बैठे हैं।

(३) आर्थिक असमानता और आपसी जलन :

व्यापार हमारा मुख्य क्षेत्र है, लेकिन सबसे अधिक जलन और एक–दूसरे को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति भी यहीं पाई जाती है। सहयोग की जगह प्रतिस्पर्धा, मिलकर उठने की जगह एक–दूसरे को गिराने की मानसिकता बढ़ी है। यह आपसी विघटन समाज की ताकत को खत्म कर रहा है।

(४) धार्मिक स्थानों का निजीकरण :

तीर्थ और मंदिर अब धर्म के केंद्र कम और सत्ता संघर्ष का मैदान ज्यादा बन गए हैं। समितियाँ बंट रही हैं, नियंत्रण के झगड़े बढ़ रहे हैं, पारदर्शिता खत्म हो रही है । भक्तों में विश्वास कम हो रहा है और धर्म का सम्मान चोटिल हो रहा है।

(५) युवाओं का धर्म से दूर होना :

युवा पीढ़ी मंदिर से जुड़ना चाहती है, पर उन्हें मार्गदर्शन नहीं मिलता। धर्म की गहराई की बजाय उन्हें इवेंट दिखाए जाते हैं। परिणाम–युवा धर्म से दूरी बना रहे हैं, और यह दूरी समाज के भविष्य को अंधकार की ओर ले जा रही है।

(६) वृद्धजनों की अनदेखी :

बुजुर्ग परिवारों में ही नहीं, समाज में भी अकेले पड़ते जा रहे हैं । सम्मान घट रहा है, संवाद कम हो रहा है, और देखभाल दिखावे तक सीमित है। यह समाज की जड़ों को कमजोर करने वाला बड़ा कारण है।

(७) संगठनात्मक बिखराव और राजनीतिक शून्यता :

हर शहर में समाज है, हर समाज में कमेटियाँ हैं, और हर कमेटी में गुटबाजी। न कोई सामूहिक लक्ष्य, न कोई सामूहिक नीति। राजनीतिक रूप से हम लगभग शून्य हो चुके हैं । सत्ता में आवाज नहीं, प्रशासन में प्रतिनिधित्व नहीं। यह स्थिति किसी भी समाज को कमजोर और असुरक्षित बना देती है। इन सबके बीच सबसे दु:खद यह है कि हमें अपनी ही समस्याएँ स्वीकार करने का साहस नहीं। हम बाहरी चमक में इतने उलझ गए हैं कि भीतर की सड़ती जड़ों को देखने की फुर्सत ही नहीं बची। पर सच तो यही है –भव्यता किसी समाज को महान नहीं बनाती महानता आती है संवेदना, एकता, त्याग और सामूहिक चेतना से। जैन समाज में इन सब समस्याओं के समाधान की अपार संभावनाएँ हैं। अगर हम दिखावे से हटकर सत्य को देखने की हिम्मत जुटाएँ, कमजोरों की चिंता को धर्म के केंद्र में लाएँ, साधुओं से साधना की अपेक्षा करें न कि प्रचार की, युवाओं को शास्त्रीय मार्ग दिखाएँ और एकता के आधार पर राजनीतिक आवाज खड़ी करें–तो यह बारूद शक्ति बन सकता है, विनाश नहीं। वरना इतिहास गवाह है–जो समाज अपने भीतर की आग नहीं बुझाता, वह बाहर की आँधियों से नहीं बच पाता।

-ममता गंगवाल, राष्ट्रीय सह सचिव
श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति

## श्री १००८ आदिनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव, धार पर प्रात: समाज जन ने प्रभात फेरी निकाली ।





# ममता गंगवाल कुशल नेतृत्व एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए 'सर्वश्रेष्ठ मंत्री' सम्मान से विभूषित




श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति मध्यांचल का अधिवेशन उज्जैन में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन, राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण जैन लोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके सानिध्य में संपूर्ण मध्यांचल का अधिवेशन एवं अलंकरण समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अधिवेशन में विगत तीन वर्षों के उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर संभाग स्तर पर विभिन्न सदस्यों को सम्मानित एवं अलंकृत किया गया। इस अवसर पर ममता गंगवाल को उनके कुशल नेतृत्व एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए ''सर्वश्रेष्ठ मंत्री'' सम्मान से विभूषित किया गया। **ममता गंगवाल का आगामी सत्र हेतु वरिष्ठ कार्याध्यक्ष पद पर मनोनयन** साथ ही, राष्ट्रीय कार्यसमिति मंजू अजमेरा, ज्योति टोंग्या, इंदु गांधी द्वारा ममता गंगवाल को आगामी सत्र हेतु वरिष्ठ कार्याध्यक्ष पद पर मनोनयन किया गया। धार संभाग से अध्यक्ष नीता झांझरी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर धार संभाग को उत्कृष्ट कार्यों के लिए श्रेष्ठ संभाग एवं जीवदया सेवा का पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

-आशा बडजात्या, सचिव

# श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति मध्यांचल का 11 व आंचलिक अधिवेशन एवं अलंकरण समारोह सानंद संपन्न

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति मध्यांचल का 11 वां आंचलिक अधिवेशन एवं अलंकरण समारोह 6 अप्रैल को उज्जैन में गरिमा पूर्ण रूप से संपन्न हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जी जैन, राष्ट्रीय मंत्री श्री प्रवीण जी जेन लोनी 'संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी अजमेरा, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती इंदु जी गांधी एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी की उपस्थिति में कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की कार्यक्रम में वर्ष 2023 से 2025 तक की गतिविधियों के मूल्यांकन के आधार पर उपस्थित सभी संभागों को अवार्ड प्रदान किए गए एवं अन्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई है ।

इस गरिमा पूर्ण सुव्यवस्थित भव्य आयोजन श्रीमती संगीता जी सौगानी, ममता गंगवाल पूजा सौगानी, ज्योति गोधा प्रीती पाली द्वारा आयोजित किया गया । सभी लोगों के लिए व्यवस्था बहुत ही प्रशंसनीय रही। शानदार कार्यक्रम का पूरा श्रेय उज्जैन संभाग की अध्यक्ष श्रीमती प्रिया विनयका और सचिव मेघा सोगानी एवं उज्जैन की संपूर्ण टीम को जाता है महासमिति की सभी सम्माननीय बहनों का आभार श्रीमती ममता गंगवाल ने व्यक्त किया कि अपनी गरिमामयी उपस्थिति और उत्साहपूर्ण सहभागिता से इस कार्यक्रम को अत्यंत सफल और यादगार बना दिया। आप सभी के सहयोग, समर्पण और सकारात्मक ऊर्जा ने पूरे आयोजन को एक नई ऊँचाई प्रदान की है।

आप सभी का एकजुट होकर इस प्रकार कार्यक्रम में भाग लेना, न केवल हमारी समिति की शक्ति को दर्शाता है, बल्कि आपसी प्रेम, विश्वास और संगठन की मजबूती का भी सुंदर उदाहरण है। सभी बहनों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित करना हमारे लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय रहा। एक बार पुनः, आप सभी के अमूल्य सहयोग, सहभागिता और स्नेह के लिए दिल से धन्यवाद। आप सभी का साथ और विश्वास ही हमारे लिए सबसे बड़ी ताकत है। भविष्य में भी इसी तरह आपका स्नेह और सहयोग बना रहे, यही कामना है । कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों को मोमेंटो राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन द्वारा दिए गए । कार्यक्रम बहुत ही सफल सुनियोजित रहा ।

**श्रीमती ममता गंगवाल, राष्ट्रीय सह सचिव**
श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति

शब्द संभारे बोलिए, शब्द के हाथ न पाँव । एक शब्द औषधि करे, एक शब्द करे घाव ।।

# श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति आंचलिक अधिवेशन, उज्जैन के कार्यक्रम की झलकियां.....

















# हर्ष पूर्ण समाचार..

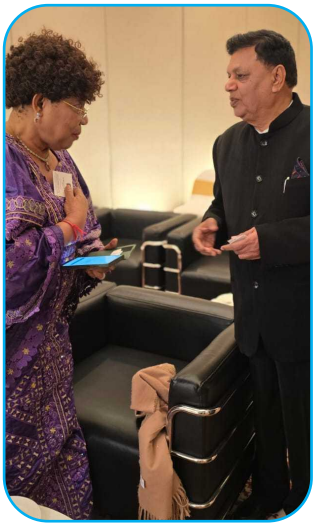
दिल्ली के Hotel le Meridian में विभिन्न देशों के Ambassadors, विभिन्न चैंबर्स के पदाधिकारी गण तथा चार्ज दी अफेयर्स आदि के साथ में बहुत ही महत्वपूर्ण मीटिंग हुई, जिसमें हम लोगों ने भारत के बढ़ते बाजार तथा world ki चौथी इकोनॉमी के बारे में चर्चा की। सभी देशों के Ambassadors ने भारत में हो रहे प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में changes and developments की प्रशंसा की, तथा भारत के बिजनेसमैनों को उनके देशों में available अपॉर्चुनिटी के लिए invite किया। इस साल हम लोग सऊदी अरब, कतर, मॉरीशस आदि देशों में delegates लेकर जायेंगें।

**Dr. Manindra jain, Chairman**
**Asian Arab chamber of Commerce**







## पदमश्री गायक रविंद्र जैन के जन्म स्थल नगला मंसाराम हाथरस में उनके भाईयों डॉ. मणीन्द्र जैन व विजय जैन द्वारा शिव दरबार मंदिर की स्थापना कर प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न..





**नगला मंसाराम मौज मकनपुर जिला हाथरस में** नवनिर्मित मंदिर में भगवान राम दरबार भगवान शिव दरबार भगवान महावीर की प्राण प्रतिष्ठा धूमधाम से संपन्न हुई।

कार्यक्रम के आयोजक तथा मुख्य यजमान प्रसिद्ध उद्योगपति तथा देश की प्रमुख संस्थाओं के अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन ने कार्यक्रम को संचालित कर पुण्य लाभ लिया। यहां उल्लेखनीय है कि डॉ. मणीन्द्र जैन महान गीतकार संगीतकार तथा गायक पद्मश्री रविंद्र जैन जी के छोटे भाई हैं तथा महान विद्वान पंडित इंद्रमणि जैन के पुत्र हैं। कार्यक्रम में विशेष रूप से कनाडा मुंबई मथुरा आगरा कोटा जयपुर श्री सुरेश जैन श्री विजय जैन श्री आयुष्मान जैन दीपक जैन दशरथ जी युवराज मणी संकल्प मणी जैन श्रीवर्धन जैन उदीप्त मणी जैन अलका जैन रविंद्र जैन शैलेंद्र जैन। अंकित प्रांजल। धरणेन्द्र जैन मोनू जैन अलीगढ़ संजीव जैन राकेश जैन बड़ोदरा। राजेश कुमार आदि परिवार जनों के साथ तथा इंद्र किरण परिवार के सभी सदस्यगण रिश्तेदार नातेदार तथा दूर–दूर से आए परिचित मित्रगण तथा भक्तगण सभी ने कार्यक्रम में भाग लेकर के प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में पुण्य लाभ लिया। प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम दिल्ली से आए प्रतिष्ठाचार्य श्री अखिलेश्वर शास्त्री जी ने संपूर्ण कराया। प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रसाद स्वरूप भंडारे का आयोजन किया गया।

### श्री 1008 अभिनंदन भगवान के गर्भ व मोक्ष कल्याणक पर महिला महासमिति धार के सदस्यों द्वारा निर्वाण लाडू चढ़ाया गया

**अध्यक्ष-नीता झाझरी, सचिव आशा बडजात्या दिल्ली**



# श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति धार

# शपथ विधि समारोह








## स्लम क्षेत्र के बच्चों के बीच मिष्ठान व वस्त्र वितरित, चेहरों पर खिली मुस्कान
## श्री दिगंबर जैन महासमिति के सहयोग से मंडला स्कूल में सेवा कार्यक्रम आयोजित

श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर संभाग एवं श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति के सहयोग से तीर्थराज पुष्कर के निकट गनाहेड़ा क्षेत्र में संचालित मंडला स्कूल में अध्ययनरत बच्चों के लिए सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान करीब 60 विद्यार्थियों के मध्य मिष्ठान वितरण के साथ नए वस्त्र भेंट किए गए। कार्यक्रम में महासमिति के वरिष्ठ सदस्य मनीष अजमेरा एवं महिला महासमिति आनंद नगर इकाई की अध्यक्ष अंजू अजमेरा का विशेष सहयोग रहा। विद्यालय में अध्ययनरत अधिकांश बच्चे स्लम क्षेत्र से आते हैं और यहां शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण कर रहे हैं। महासमिति संरक्षक राकेश पालीवाल एवं महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के सहयोग से बच्चोंको नए वस्त्र, गणवेश एवं टी–शर्ट भेंट की गई। साथ ही बच्चों को मिष्ठान वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। महासमिति अध्यक्ष अतुल पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक मनीष अजमेरा के संयोजन में आयोजित इस सेवा कार्य का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना एवं उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना है। अजमेर से भेजी गई सेवा सामग्री विद्यालय के प्रधान बुद्धिप्रकाश गौड़, शिक्षिका डिम्पल गौड़, सुमन राठौड़ एवं कनिका शर्मा के माध्यम से बच्चों के बीच वितरित की गई। सेवा सामग्री प्राप्त कर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी और विद्यालय परिसर उत्साह एवं उल्लास से भर उठा।



## श्री दिगंबर जैन महासमिति देहरादून के तत्वावधान में कढ़ी चावल का वितरण किया और नेकी की दीवार लगाकर लगभग 4000 कपड़े गरीबों में वितरित किया







श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति

## त्रैमासिक रिपोर्ट, संभाग सिरोंज



माह जनवरी जनवरी माह में श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की बहनों द्वारा श्री आदिनाथ निर्माण महोत्सव बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया तथा घर–घर मंगलाचार भी किए गए एवं इसी माह में वार्षिक विमान उत्सव में भी महासमिति की बहनों ने बहुत ही उत्कृष्ट प्रदर्शन दिया ।

माह फरवरी इस माह में परम पूज्य मुनि श्री अक्षर निरंजन सागर महामुनि राज के सामने में अतिशय क्षेत्र जिन्होंने तीर्थंकर 31 महामंडलीय श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन किया गया जिसमें समिति की बहनों आहार से लेकर सभी व्यवस्थाओं को संभाला।

माह मार्च इस माह में महासमिति की बहनों ने विधान के समापन के साथ होली मिलन समारोह काव्य आयोजन किया गया जिसमे वात्सल भोज व्यवस्था भी रखी गई तथा माह अप्रैल में श्री 1008 भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव को बड़ी ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें सभी बहनों ने हथकरघा की एक से वस्त्र पहने और हाथकरघा के महत्व पर प्रकाश डाला।

माह अप्रैल' इस माह में णमोकार महामंत्र दिवस के उपलक्ष में णमोकार महामंत्र का अखंड पाठ रखा गया तथा विश्व शांति की कामना की इसी माह में उज्जैन अधिवेशन में सम्मिलित होकर अपने आप गौरवान्वित महसूस किया तो इसी माह में ब्रह्मचारी बहने नेहा दिशा दीदी के सानिध्य में ग्रीष्मकालीन पूजन से मेले का आयोजन किया गया जिसमें महासमिति की बहनों ने स्वल्पाहार की व्यवस्था संभाली।

अध्यक्ष-श्रीमती शशी जैन, सचिव श्रीमती नीता जैन, कोषाध्यक्ष-श्रीमती ममता जैन

## जीव दया सप्ताह में महिलाओं ने जरूरतमंदों तक पहुंचाई सहायता, सेवा और सहयोग कार्यक्रम...
## श्री दिगंबर जैन महासमिति ने हरिपुर में बांटे वस्त्र और खाद्य पैकेट

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला संभाग द्वारा जीव दया सप्ताह के अंतर्गत शनिवार को ग्राम हरिपुर में सेवा और सहयोग का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। महासमिति की सदस्याएं हरिपुर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंची, जहां प्राचार्य अनीता जैन की उपस्थिति में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को वस्त्र और खाद्य सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को कपड़े प्रदान किए गए, वहीं बच्चों को विशेष रूप से सत्तू, परमल, बिस्किट, टॉफी सहित अन्य खाद्य सामग्री के पैकेट भेंट किए गए। संभागीय अध्यक्ष रश्मि बज ने बताया कि जीव दया सप्ताह का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना नहीं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों तक सहयोग और संवेदनाओं को पहुंचाना भी है। उन्होंने कहा कि महा समिति भविष्य में भी ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर शिक्षा और सामाजिक सहयोग के कार्य करती रहेगी। इस दौरान महासमिति की सदस्यों ने बच्चों की शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने का भी आश्वासन दिया। कार्यक्रम में सुनीता जी जैन, कविता जैन प्राचार्य अनीता जैन सहित महासमिति की विभिन्न इकाइयों की अध्यक्ष, मंत्री एवं संभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। हरिपुर स्कूल की प्राचार्य अनीता जैन ने महासमिति के इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास ग्रामीण और गरीब बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंत में रश्मि बज ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।



मैं श्रेष्ठ हूँ, यह आत्म विश्वास है, लेकिन मैं ही श्रेष्ठ हूँ, यह अहंकार है।
अग्नि तो एक ही पर्याय को जलाती है, लेकिन ईर्ष्या व्यक्ति को भव-भव में कष्ट देती है।

# श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति सहराई इकाई संभाग मुंगावली
## त्रैमासिक रिपोर्ट- 2026

जनवरी माह में नवीन चुनाव के साथ मुंगावली अधिवेशन में शामिल होकर शपथ ग्रहण की। 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर जीव दया गतिविधि में हमने पशुओं को चारा खिलाया गया 17 जनवरी को श्री आदिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक मनाया गया । तथा रात्रि में 48 दीपक से भक्तांबर जी की महा आरती की गई । प्रश्नोत्तरी रखी गई तथा पुरस्कार वितरण भी किए गए।

फरवरी माह में आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी की समाधि दिवस पर मंदिर में कार्यक्रम किया गया तथा आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी के समाधि दिवस पर त्रिशला इकाई इंदौर द्वारा रखी गई प्रश्नोत्तरी में सहराई इकाई को पुरस्कार प्राप्त हुआ।

मार्च माह में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में महिलाओं का सम्मान किया गया। मीटिंग आयोजित की गई। उसमें प्रथम भारतीय महिलाओं के बारे में प्रश्न पूछे गए। एवं 12 मार्च आदिनाथ जयंती से 30 मार्च महावीर जयंती तक घर जी मंगलाचार्य किये गए भगवान का झूला झुलाया गया और प्रतियोगिताएं की एवं पुरुस्कार वितरण किए गए । 30 मार्च को महावीर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाते हुए महावीर जन्म कल्याणक सार्थक किया गया तथा प्रभावना वितरित की गई। मध्यांचल महासमिति द्वारा आयोजित होली उपलक्ष में सास बहु वीडीओ प्रतियोगिता में भाग लिया तथा पुरस्कार प्राप्त हुआ।




राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष - मंजू जी अजमेरा , अध्यक्ष-नेहा जैन सतभैया, सचिव-प्रियंका जैन, कोषाध्यक्ष-रचना जैन

# राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ महिला इकाई का गठन, जैन संस्कारों के संरक्षण का लिया संकल्प

**मुनि सुधा सागर महाराज के सानिध्य में हुआ शपथ ग्रहण, प्रदेशभर से जुटीं समाजसेवी महिलाएं**

राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ की महिला इकाई सिलवानी का गठन भव्य एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाजसेविका कमलेश जैन मेडम को अध्यक्ष तथा सरला जैन को मंत्री नियुक्त किया गया। समिति में साक्षी त जैन सहित अनेक सक्रिय एवं समर्पित महिलाओं को शामिल किया गया, जो संगठन की गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यह आयोजन अशोकनगर जिले के मुंगावली कस्बे में तीर्थ का चक्रवर्ती, निर्यापक मुनि सुधा सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि वर्षों से विलुप्त हो चुकी ध्वज बंदन परंपरा को पुनर्जीवित किया गया, जिससे उपस्थित श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। इस अवसर पर महिला इकाई के सभी पदाधिकारियों ने विधिवत शपथ ग्रहण कर जैन आगम संस्कृति को पुनः स्थापित करने और जैनत्व के मूल संस्कारों की रक्षा करने का संकल्प लिया। आयोजन सिलवानी, भोपाल, विदिशा, अशोकनगर, गुना, इंदौर, उज्जैन, बेगमगंज और गैरतगंज सहित मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित समाजसेवी महिलाएं शामिल हुईं। सभी ने एकजुट होकर मुनिश्री के समक्ष संगठन के उद्देश्यों को तन, मन और समर्पण के साथ पूर्ण करने की प्रतिज्ञा ली। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं संगठनात्मक जिम्मेदारी राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ के प्रमुख राकेश बाबा गौहिल, ब्रह्मचारिणी बहन पुष्पा दीदी, सविता दीदी तथा हेमा दीदी को सौंपी गई। इस दौरान महिलाओं ने मुनिश्री का पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा जिज्ञासा समाधान सत्र में धर्म, संस्कृति और सामाजिक विषयों पर अपने प्रश्न रखकर मार्गदर्शन प्राप्त किया। अंत में सभी उपस्थित महिलाओं ने सामूहिक रूप से ध्वजारोहण किया और मेरी भावना का पाठ कर आध्यात्मिक वातावरण को और अधिक भावपूर्ण बनाया। कार्यक्रम के समापन पर नव नियुक्त पदाधिकारियों को समाज जनों एवं परिजनों ने शुभकामनाएं दीं। साथ ही सभी महिलाओं ने राष्ट्रहित, समाजसेवा और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण हेतु निरंतर कार्य करने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया।



# विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक



## डॉ. मणीन्द्र जैन
सुपुत्र–स्व. श्री इन्द्रमणि जैन

G-60 ईस्ट आफ कैलाश
नई दिल्ली–110065
मो. 9810043108

# शिरोमणि संरक्षक



### श्री कमल जैन
F.504, वर्धमान हाइट्स
रिलाइंस पैट्रोल पंप के सामने
जी.ई. रोड, गंजपारा
पोस्ट दुर्ग
छत्तीसगढ़–491001
मो. 9300683637
9340348338



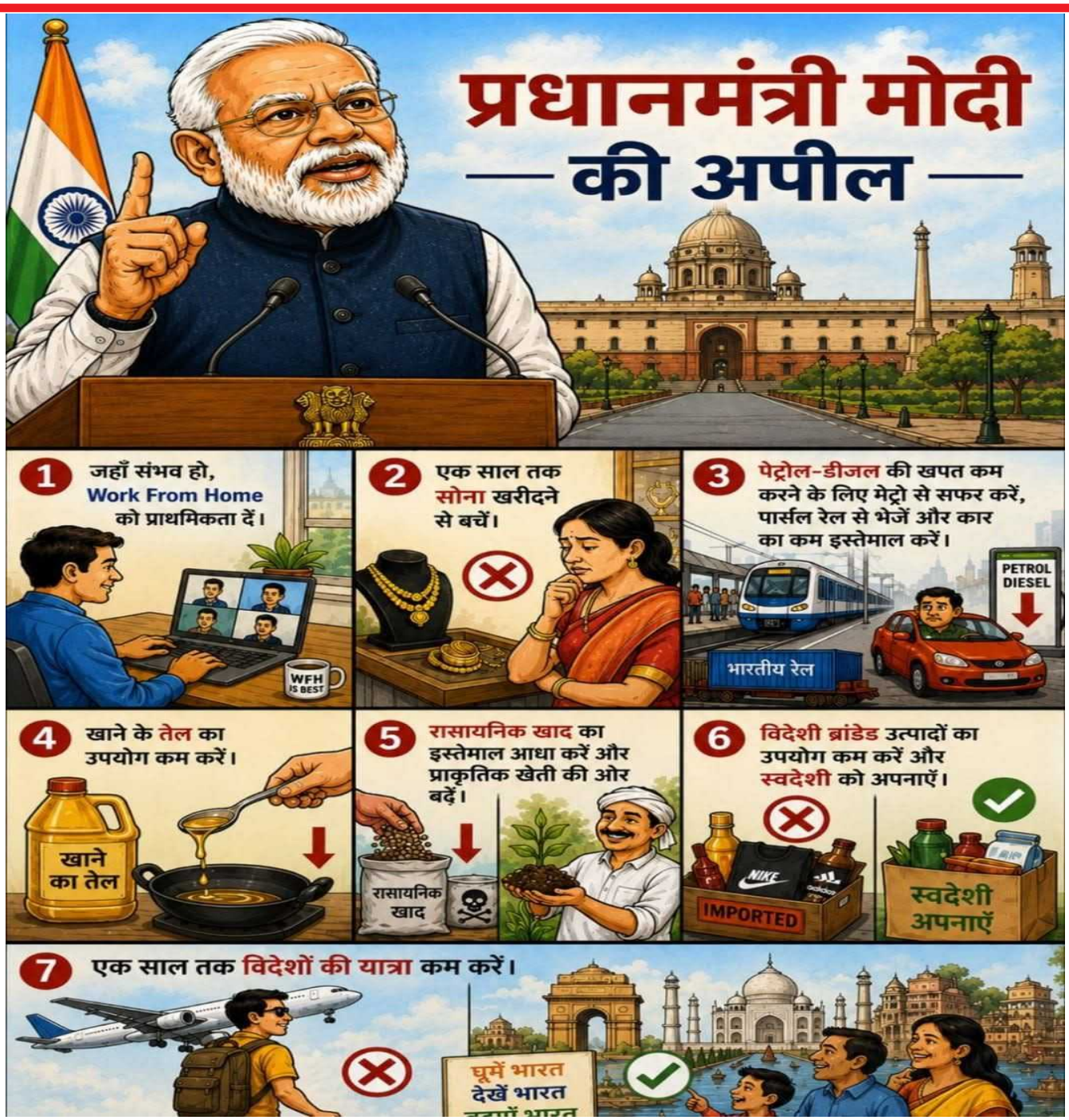
### श्री सजल जैन
जय आनन्द परिसर
FLAT No.-201
द्वितीय तल
जैन गली गाँधी चौक
पोस्ट दुर्ग (छत्तीसगढ़)
मो. 9811120344



### श्री अशोक कुमार जैन
C-305, सूर्या प्लेस
अग्रसेन भवन सिटी
लाइट के सामने
पोस्ट–सूरत
(गुजरात)
मो. 9327912345



### श्री अनिल जैन
28–29
मान सरोवर कॉलोनी
दिल्ली रोड,
मुरादाबाद (उ.प्र.)
मो. 9837030030




If Undelivered please return to :

70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com

To,_____

_____

_____